

prior to 1-1-1969 has been raised. A case in the Division Bench of the Andhra Pradesh High Court is pending on this issue. However, for work beyond 48 hours a week, practically all industrial and non-industrial employees of the three Mints have been paid at double the time rate calculated on the basis of pay and all allowances including House Rent Allowance with effect from 1-6-1961.

(c) The Silver Refinery Workmen's Union and Calcutta Mint Employees Union were informed that the decision of the Andhra Pradesh High Court will be kept in view and the matter would then be referred to Ministry of Law and Ministry of Labour for advice. The matter is under consideration.

#### Committees in Ministry of Finance

4146 SHRI S M SIDDAYYA Will the Minister of FINANCE be pleased to state

(a) how many Committees formed in his Ministry were functioning from 1st January, 1971 till 1st August, 1974;

(b) the Chairman and members of each Committee and the date of its formation, and

(c) whether the Committees have submitted their reports and whether they will be laid on the Table of the House?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K R GANESH): (a) to (c) A statement giving the information is laid on the Table of the House [Placed in Library See No LT-8363/74]

12 hrs.

#### RE MOTION FOR ADJOURNMENT

श्री मधु लिंगये (बांरा) अध्यक्ष महोदय, मैंने एक विशेषाधिकार का मामला दिया है। मुझे आप एक मिनट मेहरबानी

कर के अपनी बात कहने दीजिए। इस राजधानी में स्मगलिंग ब्राए हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय आप जरा ठहरिए। एक एडजर्नमेंट मोशन बाजपेयी जी ने दिया है। उन का पहले हो जाने चाहिए।

बाजपेयी जी, यह आप ने मोशन दिया है एडजर्नमेंट का

1 Government's failure ... police repression . beating of pressmen by the policemen in front of the residence of the Adviser to the Governor.

2 Assault of the press photographer in Surat by the smugglers in the presence of policemen

3 Arrest of cloth merchant in Ahmedabad on framed charges for teasing the daughter of the police officer.

उस तरह से यह है। मैं आप से कह एडजर्नमेंट का यह बनना नहीं है यह मॉन्ट्रॉलिंग बोर्ड आफ फ़ैक्ट्स और नार्मल कोर्स आफ ला एंड आर्डर की बात है। यहाँ तक यह पहला टर्न—बीटिंग आफ दि प्रेस मैन उस के बारे में आप चाहते तो मैं हौस मिनिस्टर का यह मानूँ कि इस के ऊपर एक स्टेटमेंट दे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष महोदय अगर आप एक मिनट मुझे दें तो मैं निवेदन ... कि गजरात में इन दिनों राष्ट्रपति शासन है केंद्र सरकार कानून और व्यवस्था के लिये भी जिम्मेदार है।

दूसरी बात यह है कि यह मामला प्रेस की स्वाधीनता में सर्वाधिक है सरकार प्रेस कामिल का जब बिल आता है तो प्रेस की स्वाधीनता के बारे में बहुत लम्बी चोड़ी बातें करनी हैं, लेकिन प्रेस वालों की बहा पिटाई हो रही है उन के ऊपर झूठे मुकदमे चलाये जा रहे हैं। इस मामले को बहा उठाने की आप इजाजत नहीं देंगे तो बाढ़ कैसे बनेगी?

## Motion

**अध्यक्ष महोदय :** मैंने इसको देखा । इस बारे को मैं कैसे इकट्ठा करूँ ? एक में उन की स्मगलर्स ने पिटाई की, इस का मामला है, दूसरे में पुलिस आफिसर की लड़की का मामला है । ये सब इकट्ठा कैसे हो सकता है ? तो यह तो बनता नहीं है । लेकिन वह वीटिंग आफ दि प्रैस मैंन जो है उस के लिए मैं होम मिनिस्टर से कहूँगा कि उस के ऊपर एक एक स्टेटमेंट वह दें ।

**श्री अटल बिहारी बाजपेयी :** मैं अपने आप को पहली घटना तक ही सीमित रख रहा हूँ ।

8-9 अगस्त की रात को अहमदाबाद में टाइम्स आफ इंडिया के एक संवादाता को पुलिस ने झूठे मुकदमे में फंसा दिया ।

**अध्यक्ष महोदय :** मुझे बताइये कि पुलिस की फेल्योर कहाँ है जब पुलिस वाले की लड़की को छोड़ने का मामला है ।

**श्री अटल बिहारी बाजपेयी :** वह छोड़ दीजिये । मैं पहले मामले को ले रहा हूँ ।

8 तारीख को क्या हुआ यह बड़ी गंभीर बात है । टाइम्स आफ इंडिया के एक कॉर्रिस्पॉण्डेंट है जो नव निर्माण समिति के आन्दोलनों के दिनों में पुलिस के खिलाफ लिखते थे जिन्होंने बम्बई के अखबारों में भी पुलिस की व्यवस्था के खिलाफ लेख लिखे । पुलिस वाले उन से नाराज थे और उन को झूठे मुकदमे में फंसा दिया । उस में भी एक लड़की को बीच में लाने की कोशिश की गई । जब प्रेस वाले दूसरे थाने में गए कि हम दूसरी रिपोर्ट लिखाएंगे तो पुलिस आफिसर ने रिपोर्ट लिखने से इंकार कर दिया । उसी रात के 3 बजे वे गर्वनर के एडवाइजर के घर पर गये और एडवाइजर से मिलने की मांग की । मुलाकात नहीं हुई । एडवाइजर के सैक्रेटरी भी नहीं मिले और पुलिस ने वहाँ 25 प्रैस वालों को पीटा । जन्मभूमि के जो संवादाता है श्री रवीन्द्र भट्ट उन को बहुत चोटें आई और वे अस्पताल में भर्ती हुये । अब गुजरात के अखबार वाले यह मांग कर रहे हैं कि सारे मामले की एक अदालती जांच होनी

## Motion

चाहिये । लेकिन अदालतों जांच की इजाजत नहीं दी गई और पुलिस वाले बदले निकाल रहे हैं गिन-गिन कर प्रैस वालों से । यह मामला सदन में भी कई बार उठाया जा चुका है लेकिन गृह मंत्री ने कोई बयान नहीं दिया ।

**अध्यक्ष महोदय :** इस मामले में होम मिनिस्टर से कहूँगा कि एक बयान दें ।

**श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा) :** मैं इस पक्ष में हूँ कि केवल वक्तव्य इस संबंध में सदन के सानने आना चाहिये ।

**श्री श्याम नन्दन मिश्र (वेगुसराय) :** हम लोगों को भी उस में कुछ कहना होगा तब ? ... (व्यवधान)

12.06 hrs.

RE. PRESENCE OF SMUGGLERS  
IN DELHI

**अध्यक्ष महोदय :** श्री मधु लिमये, आप का तो प्रिविलेज नहीं बनता है ।

**श्री मधु लिमये (वांका) :** आप मुझे अर्ज करने दीजिए । आप को अगर स्वीकार न हो तो वह बात अलग है । मैं कभी आप से असहमति व्यक्त नहीं करता हूँ ।

मुझे जानकारी मिली है कि श्री गणेश के पत्र द्वारा स्मगलरों के नाम लेने के बाद—सरकार के द्वारा, हम लोग लेते तो बात दूसरी थी—ये स्मगलर या तो भाग गए या कुछ यहाँ पर आए हैं । मैं बहुत गंभीर बात कह रहा हूँ । वे मिनिस्टर्स से मिल रहे हैं, अधिकारियों से मिल रहे हैं, मेम्बर्स आफ पार्लियामेंट को अप्रोच कर रहे हैं । ... (व्यवधान)

**श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा) :** ये मेम्बरों के नाम बताएँ कि किन किन मेम्बरों से मिल रहे हैं ? इस तरह की बात नहीं आना चाहिए । सारे सदस्यों को ये इस तरह से बदनाम नहीं कर सकते ... (व्यवधान)